खबर संक्षेप

पर्यावरण और स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर बुढ़ार में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शहडोल। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष काशीनाथ सिंह के मार्गदर्शन में 05 जनवरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बुढ़ार में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।शिविर का आयोजन शीत ऋतु के दौरान पर्यावरण प्रदूषण, विशेषकर वायु गुणवत्ता में हो रही गिरावट को ध्यान में रखते हुए पैन इंडिया पर्यावरण विधिक साक्षरता एवं सामुदायिक संरक्षण के दिशानिर्देशों के तहत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता सुशील कुमार अग्रवाल, जिला न्यायाधीश बुढ़ार ने की।कार्यक्रम में उपस्थित आमजन को शीतलहर से बचाव, पर्यावरण के प्रति जागरूकता, और साफ-सफाई के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में बुढ़ार न्यायालय के न्यायिक अधिकारी श्रीमती आकांक्षा तेकाम, ऋषव दीक्षित औ लक्ष्मण रोहित उपस्थित रहे। इसके साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर अमित प्रसाद चौधरी और अन्य चिकित्सा अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस बल का सहयोग भी सुनिश्चित किया गया।शिविर में नागरिकों को स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया, ताकि शीत ऋतु में होने वाली बीमारियों और प्रदूषण से होने वाले प्रभावों को कम किया जा सके।

नाबालिग से छेड़छाड़ के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

शहडोल। जिले की अमलाई पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत त्वरित कार्रवाई करते हुए विमल कोल पुत्र विनोद कोल, निवासी जंगल दफाई, को गिरफ्तार किया। आरोपी पर आरोप है कि उसने दिनांक 05 जनवरी की शाम लगभग 5 बजे फरियादिया की नाबालिग बच्ची को बहला-फुसलाकर साइकिल में बैठाया और जंगल की ओर ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ की।घटना के दौरान बच्ची के साथ मौजूद अन्य बच्चे और एक सहेली जब वहां पहुंचे, तो आरोपी ने उनके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार किया। सभी बच्चे वहां से भागकर घर पहुंचे और घटना की जानकारी परिजनों को दी। बच्ची का तुरंत इलाज कराने के कारण परिजनों द्वारा रिपोर्ट तत्काल दर्ज नहीं कराई जा सकी।प्राप्त आवेदन और कथन के आधार पर थाना अमलाई में आरोपी के खिलाफ बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल गिरफ्तारी करते हुए आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।इस कार्यवाही में निरीक्षक जे.पी. शर्मा थाना प्रभारी अमलाई के नेतृत्व में एएसआई करतार सिंह, प्रधान आरक्षक . मुकेश कुमार, गणेश पाण्डेय, आरक्षक. मिखायल परस्ते, मयंक मिश्रा और महिला आरक्षक कीर्ति मरावी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अब नलों में शुद्ध जल देगी नगर पालिका

शहडोल। शहरवासियों के नलों से आने वाला पानी अब सिर्फ सप्लाई का हिस्सा नहीं होगा, बल्कि उसकी शुद्धता की हर बूंद का हिसाब होगा। शासन के सख्त रुख के बाद नगर पालिका परिषद शहडोल के सभागार में जल परीक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका सीधा संदेश है कि नगर निकायों के इंजीनियर अब दफ्तर में बैठकर फाइलें नहीं चमकाएंगे, बल्कि उन्हें जमीन पर उतरकर पानी की कुंडली जांचनी होगी। अक्सर मटमैले और बदबूदार पानी की शिकायतों को अनसुना करने वाले सिस्टम को अब तकनीक से लैस किया गया है। पीएचई विभाग की केमिस्ट प्रतिमा शुक्ला और उनकी टीम ने उपयंत्रियों को वह ब्रह्मास्त्र (टेस्ट किट) चलाना सिखाया है, जो पानी में टर्बिडिटी, क्लोरीन, हार्डनेस और टीडीएस जैसे जहर का कच्चा चि_ा खोल देगी।

पटवारी प्रतिवेदन ने उड़ा दी करोड़ों की हेराफेरी की धज्जियां

शब्दों की हेराफेरी से करोड़ों का खेल, जांच समिति भी सवालों के घेरे में ग्रामीण शब्द जोड़कर आबादी भूमि को बदला, अब फाइलें घुमाकर बचाव की कोशिश

उमरिया जिले के राजस्व विभाग से जुड़ा एक मामला अब बड़े घोटाले की शक्ल लेता जा रहा है। सरकारी जांच दस्तावेज में "आबादी" शब्द के पहले "ग्रामीण" शब्द जोड़कर भूमि की प्रकृति बदलने, शासन को करोड़ों का संभावित नुकसान पहुंचाने और अब पूरे मामले को जांच समितियों व आदेशों में उलझाकर दबाने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामला कलेक्टर तक पहुंच चुका है, फिर भी ठोस निर्णय नहीं हो पा रहा।

शहडोल।

संभाग के उमरिया जिले में राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। मामला तहसील बांधवगढ़ के ग्राम उमरियाखास से जुड़ा है, जहां न्यायालय तहसीलदार के आदेश पर हुई भूमि जांच में सरकारी दस्तावेज से छेड़छाड़ का खुलासा स्वयं पटवारी के प्रतिवेदन से हुआ है।23 दिसंबर 2025 को जारी पटवारी के पत्र से हुआ बड़ा भंडाफोड़ सामने आया है, पटवारी हल्का उमरिया खास द्वारा 23 दिसंबर 2025 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बांधवगढ़ को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया कि न्यायालय तहसीलदार बांधवगढ़ के आदेश क्रमांक 0021/अ-74/2025-26 दिनांक 07/07/2025 के तहत तैयार पंचनामा व प्रतिवेदन में "आबादी" शब्द के पहले बाद में "ग्रामीण" शब्द जोड़ा गया।पटवारी ने साफ लिखा कि यह परिवर्तन उनकी जानकारी और अनुमति के बिना किया गया।एक शब्द, लेकिन असर करोड़ों काराजस्व कानून में "आबादी" और "ग्रामीण" भूमि की परिभाषा, मूल्यांकन और कर निर्धारण अलग-अलग है। "ग्रामीण" शब्द जुड़ते ही जमीन की श्रेणी बदल जाती है और शासन को होने वाला राजस्व नुकसान करोड़ों तक पहुंच सकता है। यही कारण है कि इसे साधारण गलती नहीं, बल्कि नियोजित हेराफेरी माना जा रहा है।19 दिसंबर को जांच समिति गठित, लेकिन असर शून्यइस खुलासे के बावजूद अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बांधवगढ़ ने 19 दिसंबर 2025 को आदेश क्रमांक 1739/अ.वि.अ./2025 जारी कर एक जांच समिति गठित कर दी। समिति में शिवमूर्ति सरल, राजस्व निरीक्षक, नजूल उमरिया, देवशरण सिंह, हल्का पटवारी भरौला एवं बृजलाल विश्वकर्मा, हल्का पटवारी कोडिया व अमित सिंह, हल्का पटवारी चंदवार शामिल किए गए,समिति को तीन दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया।जब सब साफ है, फिर जांच का ढकोसला क्योंसबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पटवारी स्वयं लिखित रूप में स्वीकार कर चुका है कि शब्द बाद में जोड़ा गया, तो फिर जांच समिति क्यों? क्या यह जांच है या मामले को ठंडा करने की रणनीति, अचरज तो इस बात का भी है कि मामला कलेक्टर उमरिया तक पहुंचा, फिर भी निर्णय में देरी हो रही है, सूत्रों के अनुसार यह पूरा मामला कलेक्टर धरनेंद्र कुमार जैन के सामने भी रखा जा चुका है, लेकिन वहां से भी अब तक कोई निर्णायक आदेश नहीं निकल पाया है। राजनीतिक और प्रशासनिक सुचिता की परीक्षायह मामला अब सिर्फ उमरिया तक सीमित नहीं रहा। समाचार पत्रों और सोशल मीडिया के माध्यम से यह पूरे संभाग और प्रदेश तक पहुंच चुका है। ऐसे में यदि अब भी स्पष्ट, साफ और निष्पक्ष निर्णय नहीं आया, तो यह प्रशासन और मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार दोनों के लिए किरकिरी का कारण बनेगा।सवाल अब भी कायम कि क्या एक भू-माफिया और एक व्यक्ति को लाभ पहुंचाने के लिए पूरे सिस्टम ने आंख मूंद ली? या फिर यह मामला इतना बड़ा है कि एक शब्द से खुले करोड़ों के खेल ने पूरे तंत्र को कठघरे में खड़ा कर दिया है? अब निगाहें इस पर टिकी हैं कि प्रशासन सच सामने लाता है या यह मामला भी फाइलों में दफन कर दिया जाएगा।

भवन अनुज्ञा में पारदर्शिता की मांग को लेकर युवा कांग्रेस ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

शहडोल। युवा कांग्रेस द्वारा जिले में भवन अनुज्ञा प्रक्रिया में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त कर पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अनुपम गौतम एवं जिला महासचिव निषान्त जोषी के नेतृत्व में दिया गया।ज्ञापन में नगर पालिका परिषद शहडोल में भवन अनुज्ञा की प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी बनाने, कार्यालय परिसर में स्थायी सूचना बोर्ड लगाने, शुल्क एवं नियमों को सार्वजनिक करने, आवेदन निस्तारण की समय-सीमा तय करने तथा भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारियों-कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई।इस दौरान मुश्रान खान, विधानसभा अध्यक्ष शेख साजिल, जिला महासचिव नमो गर्ग, नगर उपाध्यक्ष सुहैल नगर, प्रियंका तिवारी, अनिकेत सिंह (गोलू), सिंहपुर ब्लॉक उपाध्यक्ष निभाम रजक, इमरान खान, कपिल रजक एवं समीर खान सहित युवा कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क सुरक्षा की दिशा में यातायात पुलिस की पहल, वाहनों में लगाए गए रेट्रो रिफ्लेक्टर

शहडोल।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान की थीम सड़क सुरक्षा–जीवन रक्षा रखी गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सूबेदार प्रियंका शर्मा के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा कृषि कार्य में उपयोग होने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉलियों तथा माइनिंग सेक्टर में प्रयुक्त डंपर और डग्गियों में रेट्रो रिफ्लेक्टर रेडियम टेप लगाए गए। यह पहल विशेष रूप से रात्रि के समय भारी एवं धीमी गति से चलने वाले वाहनों की दृश्यता बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है, ताकि अन्य वाहन चालकों को समय रहते संकेत मिल सके और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।इस अवसर पर सूबेदार प्रियंका शर्मा ने वाहन चालकों को समझाइश देते हुए कहा कि रेट्रो रिफ्लेक्टर का उपयोग केवल कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि स्वयं एवं अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा रात्रि के समय विशेष सतर्कता बरतने की अपील की।

भटिया माता मंदिर परिसर से हटाया गया अतिक्रमण
प्रशासन की कार्रवाई में 18 दुकानें ध्वस्त

शहडोल।

जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित बहु-प्रसिद्ध भटिया माता मंदिर परिसर में लंबे समय से चले आ रहे अतिक्रमण के विरुद्ध जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की। शुक्रवार को प्रशासन ने बुलडोजर और जेसीबी मशीनों की मदद से मंदिर परिसर में अवैध रूप से निर्मित 18 दुकानों को हटाकर क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त कराया।कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल, राजस्व विभाग एवं नगर प्रशासन के अधिकारी तैनात रहे। पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर कानून-व्यवस्था बनाए रखी गई।प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि भटिया माता मंदिर जिले का एक प्रमुख धार्मिक एवं आस्था का केंद्र है, जहां नवरात्रि सहित विशेष पर्वों पर हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर और आसपास अतिक्रमण के चलते श्रद्धालुओं को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था, साथ ही सुरक्षा और स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित हो रही थी। इस संबंध में प्रशासन को लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने से पूर्व संबंधित दुकानदारों को विधिवत नोटिस जारी कर स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, किंतु निर्धारित समय सीमा में अतिक्रमण नहीं हटाए जाने के कारण प्रशासन को मजबूरन कार्रवाई करनी पड़ी।प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियमों और विधि सम्मत की गई है तथा भविष्य में भी जिले के अन्य धार्मिक, सार्वजनिक एवं शासकीय स्थलों पर किए गए अतिक्रमण के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कदम उठाए जाएंगे। अतिक्रमण हटने से मंदिर परिसर का स्वरूप सुधरेगा, श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित दर्शन व्यवस्था मिलेगी तथा धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहेगी।स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने प्रशासन की इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटने से मंदिर परिसर खुला, सुव्यवस्थित और सुरक्षित हो गया है। प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक या धार्मिक स्थलों पर अतिक्रमण न करे, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी सीएम करेंगे रोटरी क्लब मेगा स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय में 13, 14 और 15 मार्च को आयोजित होने वाले राहत मेडिकल मिशन के द्वितीय चरण 2.0 का उद्घाटन मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला करेंगे।शिविर की तैयारियों और आमंत्रण हेतु भोपाल स्थित बल्लभ भवन में उप मुख्यमंत्री से मिले चिरायु मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. अजय गोयनका, रोटरी क्लब के अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता और पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता। इस अवसर पर श्री शुक्ला ने आश्वासन दिया कि वह स्वास्थ्य शिविर में अवश्य शामिल होंगे।अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता ने बताया कि यह मेगा स्वास्थ्य शिविर राजकृष्ण तन्खा फाउंडेशन एवं रोटरी क्लब के तत्वावधान में, राज्य शासन के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। शिविर का मार्गदर्शन राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा करेंगे, जबकि रोटरी क्लब मंडला के संजय तिवारी और अजय खोत सहयोग करेंगे।पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने बताया कि पहले चरण का शिविर वर्ष 2016 में आयोजित हुआ था, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित थे। उस दौरान 31,085 लोगों ने लाभ उठाया था। इस बार का शिविर भी ग्रामीण और शहरी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं और लाभ के दृष्टिकोण से बेहद उपयोगी होगा।शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों और चिकित्सक टीम की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी, ताकि लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच, परामर्श और उपचार जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस मेगा स्वास्थ्य शिविर से शहडोल और आसपास के क्षेत्रों के नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक पहुँच मिलने की उम्मीद है।

नकारात्मकता के त्याग से विकसित होता है आध्यात्मिक औरा : कुलगुरु

शहडोल।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल की इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह धुरवार ग्राम स्थित आदिवासी बालक छात्रावास परिसर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समापन अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई डॉ. धानी जामोद ने अतिथियों का स्वागत किया।शिविर के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने ग्राम हर्री एवं धुरवार में घर-घर संपर्क कर जनसर्वेक्षण, ग्राम स्वच्छता अभियान, जन-जागरूकता एवं सेवा कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया। प्रतिदिन संध्याकाल में सांस्कृतिक, रचनात्मक गतिविधियां एवं शिविर परिकल्पना के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ ही समय-सारिणी के अनुसार आयोजित बौद्धिक सत्रों में विशेषज्ञों ने स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व विकास हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि आध्यात्मिक औरा का विकास तभी संभव है जब व्यक्ति अपने जीवन से नकारात्मकता का विनाश करता है। उन्होंने पाठशाला के माध्यम से कुटुंब भाव की भावना को विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि आध्यात्मिक प्रज्ञावान औरा के विकास से वे कार्य भी सहज रूप से संपन्न हो जाते हैं, जो सामान्य

प्रयासों से संभव नहीं हो पाते।कुलगुरु ने शारीरिक और मानसिक आयामों पर प्रकाश डालते हुए योग, व्यायाम एवं प्राणायाम के महत्व की चर्चा की। विशेष रूप से भ्रामरी प्राणायाम की उपयोगिता बताते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा में इंद्रिय संवेदना शक्ति के महत्व से स्वयंसेवकों को परिचित कराया।कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी ने सभी स्वयंसेवकों, वालेंटियर एवं कार्यक्रम अधिकारियों को सात दिवसीय शिविर के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार पाण्डेय ने स्वयंसेवकों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वचन प्रदान किए। परिसर प्रभारी प्रो. गीता सराफ ने शिविर के दौरान किए गए परियोजना कार्यों की सराहना करते हुए एनएसएस के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु शुभकामनाएं दीं।हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. गंगाधर ढोके ने कछुए और खरगोश की कहानी के रूपक के माध्यम से आपसी सामंजस्य और सद्भावना से लोककल्याणकारी दृष्टिकोण प्राप्त करने की बात कही। खेल विभागाध्यक्ष डॉ. आदर्श तिवारी ने राज्य अंतरविश्वविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की महिला टीम की विजय की जानकारी दी, जिससे स्वयंसेवकों में उत्साह का संचार हुआ।कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों द्वारा एनएसएस ध्वज का अवरोहण कर कार्यक्रम अधिकारियों को सौंपा गया तथा शिविर स्मृति चिन्ह पर कर-चिन्ह अंकित किए गए। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के प्राध्यापकगण एवं मेडिकल कॉलेज की चिकित्सक टीम भी उपस्थित रही।शिविर के सफल संचालन में एनएसएस महिला इकाई की अधिकारी डॉ. धानी जामोद, पुरुष इकाई के अधिकारी डॉ. मुनीश नेगी, डॉ. वीरेन्द्र कुर्मी तथा वालेंटियर श्रुति तिवारी, सुचिता, अनामिका, प्रीति विश्वकर्मा एवं उत्तरा की सराहनीय भूमिका रही।

खबर संक्षेप

भारतीय सेना के स्वयंसेवी बनने अग्नि वीर योजना में पंजीकरण कराए युवा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अग्नि वीर योजना के माध्यम से भारतीय सेना के लिए स्वयंसेवी उम्मीदवारों का चयन किया जाता है। अग्नि वीर चयन प्रणाली में एक बड़ा नीतिगत बदलाव कर ऑनलाइन मोड में सामान्य प्रवेश परीक्षा को पहले फिल्टर किया गया है जबकि पुरानी प्रणाली के अनुसार पहले शारीरिक परीक्षा आयोजित की जाती थी। ऐसा यह सुनिश्चित करने के उद्देश्य किया गया है कि चयनित अग्नि वीरों के पास भारतीय सेना में शामिल की जा रही नई हथियार प्रणाली की तकनीक को आत्मसात करने के लिए पर्याप्त ज्ञान का स्तर हो। अग्नि वीर योजना के तहत युवाओ द्वारा बड़ी संख्या में पंजीकरण कराया जा रहा है। बताया गया है कि भर्ती वर्ष 2025-26 के लिए 95,337 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है राज्य से पंजीकरण करने वाले उम्मीदवारों की संख्या बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि सेना मुख्यालय द्वारा जारी आधी रिक्तियां राज्य के पंजीकरण आंकड़ों पर आधारित होती है। अग्नि वीर योजना के तहत चयन बहुत ही प्रतिस्पर्धात्मक और रिक्ति और योग्यता आधारित है। पंजीकृत अभ्यर्थियों में से लगभग 40 प्रतिशत सामान्य प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं और अंततः लगभग 20 प्रतिशत ही भर्ती रैली में सफल होते हैं इसलिए पंजीकरण बढ़ाने और अभ्यर्थियों को अभ्यास करने और चयन की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराने अगला कामन प्रवेश परीक्षा अप्रैल 2026 में आयोजित की जाएगी।

म.प्र. उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद के पुरस्कारों के लिये पुस्तकें आमंत्रित करने की अंतिम तिथि 2 फरवरी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा उर्दू की श्रेष्ठ पुस्तकों पर 6 राष्ट्रीय एवं 13 प्रादेशिक पुरस्कार दिये जाने के लिये 01 जनवरी, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 तक की अवधि में प्रकाशित पुस्तकें 02 फरवरी, 2026 तक आमंत्रित है। पुरस्कार में अखिल भारतीय पुरस्कार (रूपये 51,000/-) के अंतर्गत मीर तकी मीर पुरस्कार (उर्दू शायरी), हकीम कमरूल हसन पुरस्कार (उर्दू पत्रकारिता, शोध एवं आलोचना), हामिद सईद खाँ पुरस्कार (कहानी, लघु कथा), शादाँ इन्दौरी पुरस्कार (निबंध एवं अनुवाद), जौहर कुरैशी पुरस्कार (हास्य व्यंग्य), इब्राहीम यूसुफ पुरस्कार (नाटक, दास्तान) को शामिल किया गया है। प्रादेशिक पुरस्कार (रुपये 31,000/-) के अंतर्गत सिराज मीर खाँ सहर पुरस्कार (उर्दू शायरी), बासित भोपाली पुरस्कार (कहानी लघु कथा), मोहम्मद अली ताज पुरस्कार (रेखाचित्र, रिपोर्ताज़), नवाब सिद्दीक हसन खाँ पुरस्कार (उर्दू पत्रकारिता (उर्दू पत्रिका, शोध व आलोचना), शैरी भोपाली पुरस्कार (बाल साहित्य), कैफ भोपाली पुरस्कार (उर्दू शिक्षक), शम्भू दयाल सुखन पुरस्कार (अ-उर्दू भाषी लेखकों/शायरों की कृति), शिफा ग्वालियरी पुरस्कार (प्रदेश के लेखक / शायर की पहली कृति), जाँ निसार अख्तर पुरस्कार (रसाई साहित्य, रसाई, नात, उर्दू साहित्य/ शायरी की एक विद्या), पन्नालाल श्रीवास्तव नूर पुरस्कार (आत्मकथा, संस्मरण), सूरज कला सहाय पुरस्कार (यात्रा क्रतांत), नवाब शाहजहाँ बेगम ताजवर पुरस्कार (निबंध एवं अनुवाद), निदा फाजली पुरस्कार (उर्दू नज़्म, दोहा, रूबाई) को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने बताया कि 01 जनवरी, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 में प्रकाशित पुस्तकों के लेखकों से पुस्तक की चार-चार प्रतियाँ निर्धारित फार्म भरकर 02 फरवरी, 2026 तक कार्यालय, म.प्र. उर्दू अकादमी, मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा रोड, भोपाल भेजने का अनुरोध है। निर्धारित फार्म उर्दू अकादमी की वेबसाईट से प्राप्त किया जा सकता है। जानकारी के लिये मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी फोन नम्बर 0755-2551691 एवं ई-मेल आईडी पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सूखे नल, दूषित पानी और बीमार बच्चे: 24.45 लाख की जल जीवन मिशन योजना सारंगपुर में फेल

शहडोल। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना, जिसका उद्देश्य "हर घर जल" के संकल्प को साकार करना है, जिले के सोहागपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सारंगपुर के ग्राम कठई में पूरी तरह दम तोड़ती नजर आ रही है। लगभग 24 लाख 45 हजार रुपये की लागत से स्वीकृत यह योजना कागज़ों में भले ही पूरी बता दी गई हो, लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि आज तक गांव के किसी भी घर में नल से पानी नहीं पहुंच पाया है।

कागज़ों में पूरी, ज़मीन पर शून्य

योजना के तहत गांव में पानी की टंकी, पाइपलाइन और घर-घर नल कनेक्शन देने का दावा किया गया था। सरकारी रिकॉर्ड में कार्य पूर्ण दर्शाकर भुगतान भी कर दिया गया, लेकिन वास्तविकता इससे ठीक उलट है। गांव में लगे नल या तो सूखे पड़े हैं या पूरी तरह जर्जर हालत में हैं। कई नलों से टोटियां गायब हैं, तो कई जगह केवल पाइप का निशान बचा है।

उखड़ी पाइपलाइन, बेकार हो गई पूरी व्यवस्था

ग्रामीणों के अनुसार जो थोड़ी-बहुत पाइपलाइन बिछाई गई थी, वह भी अब जगह-जगह से उखड़ चुकी है। कुछ हिस्सों में पाइप निकाल लिए गए, तो कहीं निर्माण कार्य अधूरा ही छोड़ दिया गया। इस कारण पूरी जलापूर्ति व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर पाइपलाइन उखड़ी, तो उसकी सुरक्षा और मरम्मत की जिम्मेदारी किसकी थी?

महिलाओं की बढ़ी परेशानी

गांव में पानी की समस्या का सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ रहा है। उन्हें आज भी दूर-दराज के असुरक्षित जल स्रोतों से पानी ढोकर लाना पड़ता है। घंटों लाइन में लगना, भारी बर्तन उठाना और फिर भी साफ पानी न मिल पाना यह उनकी रोज़मर्रा की मजबूरी बन गई है।

दूषित पानी से बीमार हो रहे बच्चे

ग्रामीणों का कहना है कि जिस पानी का वे उपयोग कर रहे हैं, वह अत्यंत दूषित है। इस पानी को पीने से गांव के बच्चे और बुजुर्ग बार-बार बीमार पड़ रहे हैं। उल्टी-दस्त, बुखार, त्वचा रोग और अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा लगातार बना हुआ है, लेकिन स्वास्थ्य और जल विभाग की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

24.45 लाख खर्च हुए, पानी कहां गया?

अब गांव के पुरुष भी खुलकर सवाल उठाने लगे हैं। उनका सीधा सवाल है कि जब 24 लाख 45 हजार रुपये की राशि खर्च की गई, तो फिर गांव में पानी क्यों नहीं है? आखिर यह पैसा गया कहां और किसने खाया? ग्रामीणों का आरोप है कि योजना को सिर्फ कागज़ों में पूरा दिखाकर सरकारी राशि की बंदरबांट की गई है।

'हर घर जल' से 'सुखा नल योजना' तक

ग्रामीण व्यंग्यात्मक लहजे में कह रहे हैं कि यह योजना अब "हर घर जल" नहीं बल्कि "सुखा नल योजना" बनकर रह गई है। गांव में ढांचा तो खड़ा है, लेकिन पानी नहीं है। यह स्थिति न सिर्फ योजना की विफलता को उजागर करती है, बल्कि प्रशासनिक निगरानी पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार पर कड़ी कार्रवाई, तथा ग्राम कठई में तत्काल शुद्ध पेयजल आपूर्ति शुरू करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो ऐसी योजनाएं केवल फाइलों तक ही सिमटकर रह जाएंगी और ग्रामीणों की प्यास यूं ही बनी रहेगी।

बांधवगढ़ में मिलेट्स मेले का रंग लोकल स्वाद ने जीता सैलानियों का दिल

उमरिया। नए वर्ष के शुभ अवसर पर बांधवगढ़ नेशनल पार्क में आयोजित मिलेट्स मेला देशी-विदेशी सैलानियों के लिए खास आकर्षण का केंद्र बन गया। ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्व-सहायता समूह की दीदियों द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय मेले में स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू ने पर्यटकों को खूब लुभाया। मेले का मुख्य उद्देश्य मिलेट्स को बढ़ावा देना और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना रहा।

लोकल स्वाद से रूबरू हुए सैलानी

मिलेट्स मेले के दौरान देशी और विदेशी पर्यटकों को क्षेत्रीय व पारंपरिक स्वाद चखने का अनूठा अवसर मिला। सैलानियों ने न सिर्फ इन व्यंजनों की सराहना की, बल्कि इनके पौष्टिक गुणों को भी जाना। कई पर्यटकों ने स्थानीय व्यंजनों को स्वास्थ्य के लिहाज से बेहद लाभकारी बताया।

मिलेट्स से बने व्यंजनों के सजे स्टॉल

मेले में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कुटकी की खीर, इंद्रहार की कड़ी, सामा के चावल, मुनगा पत्ती भजिया, गुलाब जामुन-रबड़ी, मुगौड़ी, बरा, रागी के आटे का चिल्ला सहित कई पारंपरिक और पौष्टिक व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए। इन स्टॉलों पर पर्यटकों की खास भीड़ देखने को मिली।

मानपुर, करकेली और पाली समूहों की सहभागिता

इस मेले में मानपुर, करकेली और पाली विकासखंडों के स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। ग्रामीण महिलाओं ने अपने पारंपरिक खानपान और पाक-कौशल के माध्यम से स्थानीय संस्कृति को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिससे मेले को विशेष पहचान मिली।

महिलाओं की मेहनत बनी आत्मनिर्भरता की मिसाल

मानपुर विकासखंड के ग्राम गाटा निवासी मीना सिंह ने बताया कि वे सिया स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। उनके समूह द्वारा मिलेट्स मेले में मुनगा पत्ती की भजिया, मक्के की पूड़ी, कुटकी की खीर, रागी आटे की पूड़ी जैसे व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया। सात दिनों तक चले इस मेले में उनके समूह ने लगभग 20 हजार रुपये की आय अर्जित की।

मुख्यमंत्री और आजीविका मिशन को धन्यवाद

मीना सिंह ने बताया कि मिलेट्स से बने पौष्टिक व्यंजनों को सैलानियों ने खूब पसंद किया। उन्होंने इस अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं ग्रामीण आजीविका मिशन का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से ग्रामीण महिलाओं को अपनी प्रतिभा और उद्यमिता दिखाने का मंच मिला।

मिलेट्स मेला बना संस्कृति और रोजगार का संगम

बांधवगढ़ नेशनल पार्क में आयोजित यह मिलेट्स मेला न केवल स्थानीय संस्कृति के प्रचार का माध्यम बना, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक सशक्त पहल साबित हुआ। ऐसे आयोजन आने वाले समय में मिलेट्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेंगे।

खेलो एमपी यूथ गेम्स को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर की अध्यक्षता में तैयारी बैठक

18 खेलों में प्रतिभा दिखाएंगे जिले के खिलाड़ी, अधिक से अधिक पंजीयन पर जोर

उमरिया।जिले में खेलो एमपी यूथ गेम्स के सफल आयोजन को लेकर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि खेलों का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक बच्चे पंजीयन कर विभिन्न खेलों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और राज्य स्तर पर जिले का नाम रोशन कर सकें।

कलेक्टर ने कहा कि नगरीय निकायों में मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा ग्राम पंचायत स्तर पर जिला पंचायत सीईओ, शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग समन्वय बनाकर बच्चों तक रजिस्ट्रेशन लिंक पहुंचाएं। सोशल ग्रुपों के माध्यम से अधिक से अधिक बच्चों को पंजीयन के लिए प्रेरित किया जाए। साथ ही नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कचरा संग्रहण वाहनों में ऑडियो संदेश चलाकर खेलों का प्रचार किया जाए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीताराम सत्या ने बताया कि खेलो एमपी यूथ गेम्स के अंतर्गत जिले में कुल 18 प्रकार के खेल आयोजित किए जाएंगे। इनमें एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हॉकी, खो-खो, कुश्ती, टेबल टेनिस, योगासन, शतरंज, बास्केटबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, पिट्ठू, रस्साकसी और जूडो शामिल हैं। उन्होंने बताया कि खेलों का आयोजन स्टेडियम, सामुदायिक भवन उमरिया, पीटीएस उमरिया, कृष्णताल तथा शासकीय उमावि बालक कालरी उमरिया में किया जाएगा। खेल स्थलों पर साफ-सफाई, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले खेलों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। ब्लॉक स्तर पर खेल स्थलों का चयन कर समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी, जिससे प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।जिला खेल अधिकारी ने बताया कि खेलों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की आयु 20 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक बालक अथवा बालिका अधिकतम दो खेलों में भाग ले सकेंगे। जिला एवं ब्लॉक स्तर पर खेलवार समितियों का गठन कर दिया गया है तथा आयोजनकर्ताओं की नियुक्ति भी पूरी कर ली गई है।उन्होंने जानकारी दी कि ब्लॉक स्तरीय चयन स्पर्धाएं 11 से 15 जनवरी, जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 16 से 20 जनवरी, संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 21 से 25 जनवरी तथा राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 28 से 31 जनवरी तक प्रस्तावित हैं। कुछ ऐसे खिलाड़ी, जो अन्य खेलों में भाग लेना चाहते हैं लेकिन जिले में जिनकी सुविधा उपलब्ध नहीं है, उन्हें सीधे राज्य स्तर पर भेजा जाएगा।

हर घर नल से जल के तहत शत-प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को अच्छादित करें-सीईओ जिपं

जिला पंचायत सीईओ ने नल जल योजना की कार्यवार की विस्तृत समीक्षा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जल जीवन मिशन के कार्यों का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए ग्रामों के शत-प्रतिशत हर घर नल से जल अच्छादित करने के निर्देश दिए हैं। जल जीवन मिशन की जिला पंचायत सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उक्ताशय के निर्देश जिला पंचायत सीईओ ने दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा पीएचईडी के उपयंत्री उपस्थित थे। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की कार्यवार स्थिति की ग्रामवार विस्तृत समीक्षा की उन्होंने अमले को बंद पड़ी योजनाओं के क्रियाशीलता तथा प्रगतिरत कार्यों को जनहित में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने नल जल योजनाओं को क्षति पहुंचाने वाले लोगों को चिन्हांकित करते हुए उनके विरुद्ध पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के निर्देश दिए। उन्होंने नल जल योजना अंतर्गत छोटे कार्यों को 15 जनवरी तक तथा बड़े कार्यो को 30 जनवरी तक पूर्ण करने के निर्देश दिए उन्होंने बैठक में जनपद पंचायतो के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पाइपलाइन, नलकूप खनन के कार्य के पश्चात ट्रायल रन में उपस्थित रहकर अवलोकन करने व कार्यपूर्णता की स्थिति में योजना को पंचायत को हैंडओवर करने की कार्यवाही के निर्देश दिए।

उन्होंने योजना के अंतर्गत 100 प्रतिशत घरों को नल जल योजना का लाभ पहुंचाने तथा जल की निरंतर आपूर्ति के लिए सतत मॉनिटरिंग करने व आवश्यक तकनीकी सहयोग लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अमले को दिए। उन्होने ग्राम पंचायतो को हैंडओवर स्कीम के क्रियान्वयन के लिए शासन दिशा-निर्देश अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

केल्हौरी उद्ववहन सिंचाई योजना का जिला पंचायत सीईओ ने किया अवलोकन

केल्हौरी ग्राम के चरणबद्ध समग्र विकास के संबंध में दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत केल्हौरी स्थित जल संसाधन विभाग की सोन नदी पर 48.98 लाख रुपए से बनाई गई उदवहन सिंचाई योजना का अवलोकन किया गया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री से उदवहन सिंचाई परियोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी ली, कार्यपालन यंत्री ने अवगत कराया की उद्ववहन सिंचाई योजना के तहत आसपास का 28 हेक्टेयर सिंचाई क्षेत्र लाभान्वित किया जाएगा उन्होंने कहा कि हर खेत तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। जिससे कृषि क्षेत्र के रकबे में वृद्धि होगी। इस दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री के पी कड़यिाम, पशुपालन विभाग के डॉ योगेश दीक्षित, सरपंच रामपाल सिंह लहरू सहित अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने ग्राम पंचायत केल्हौरी पहुंच कर ग्राम की आवश्यक संरचनाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए गांव के चरणबध्द विकास के लिए सभी गलियों में सीसी रोड, नाली निर्माण, साफ-सफाई तथा पेयजल की उपलब्धता आदि के निर्देश दिए उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रो में पोषण वाटिका बनाने तथा ग्राम के सभी परिवारों को अक्षय ऊर्जा योजना की जानकारी देते हुए सोलर पैनल लगवाने के लिए प्रेरित करने के लिए निर्देश दिए।

12 जनवरी को स्टेडियम में आयोजन, कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की रहेगी अनिवार्य सहभागिता

युवा दिवस पर होगा सामूहिक सूर्य नमस्कार, तैयारियों को लेकर कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक

उमरिया। स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस युवा दिवस के अवसर पर 12 जनवरी को सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में बैठक संपन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सहभागिता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। कक्षा 1 से 5वीं तक के विद्यार्थी सूर्य नमस्कार में भाग नहीं लेंगे, लेकिन वे दर्शक के रूप में कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहेंगे।

उन्होंने स्टेडियम की साफ-सफाई एवं पेयजल व्यवस्था के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया, जबकि स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से एंबुलेंस की व्यवस्था हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके साथ ही मैट, माइक, मंच, फ्लैक्स, बैनर, एलसीडी सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।जिला शिक्षा अधिकारी आर.एस. मरावी ने कार्यक्रम की समय-सारिणी की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होगा। प्रातः 9 बजे विद्यार्थियों का एकत्रीकरण कर सूर्य नमस्कार के लिए निर्धारित दूरी पर पंक्तिबद्ध किया जाएगा। प्रातः 9 बजकर 20 मिनट पर मुख्य अतिथि एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का आगमन होगा। प्रातः 9 बजकर 28 मिनट पर मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं मुख्य अतिथि का स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रातः 9 बजकर 30 मिनट पर आकाशवाणी मध्यप्रदेश के सभी केंद्रों से राष्ट्रगीत, स्वामी विवेकानंद जी की वाणी, मुख्यमंत्री जी का संदेश, सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

कृतिका सिंह चतुर्वेदी ने क्षेत्र तथा माता पिता का नाम किया रोशन

कोतमा। समीपी गांव देवगवां. निवासी सुरेंद्र सिंह चतुर्वेदी की पुत्री कृतिका सिंह चतुर्वेदी अंडर क्रिकेट 19 टीम चयनित ने दिल्ली की टीम को सेमीफाइनल मे हराकर फाइनल मे प्रवेश करते हुए अपनी टीम के साथ जिला एवं क्षेत्र तथा माता पिता का नाम रोशन किया है।

खबर संक्षेप

मां वीरासन मंदिर में पूजन कर संभाला चौकी का पदभार

सिलौंडी। सिलौड़ी पुलिस चौकी में नवपदस्थ चौकी प्रभारी अनिल पाण्डेय ने औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने क्षेत्र की प्रसिद्ध वीरासन माता मंदिर पहुंचकर दर्शन किए और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रहने की कामना की । पदभार ग्रहण के अवसर पर चौकी स्टाफ मौजूद रहा । चौकी प्रभारी अनिल पाण्डेय ने कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, तथा जनता से संवाद बढ़ाकर विश्वास कायम करना रहेगा । उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी और शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा । स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने भी नए चौकी प्रभारी का स्वागत किया और उनसे क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपेक्षा जताई।पदभार ग्रहण के बाद चौकी प्रभारी ने रिकॉर्ड-रजिस्टर का अवलोकन किया तथा स्टाफ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

एक्सपोजर विजिट पर 40 सदस्यों का दल पहुंचेगा झारखंड

कटनी। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने मध्यप्रदेश राज्य के निर्वाचित जनप्रतिनिधियो एवं अधिकारियों के झारखंड एक्सपोजर विजिट हेतु 40 प्रतिभागियों जिनमें सरपंच, जनपद सदस्य,सचिव, ग्राम रोजगार सहायक सहित अन्य लोक सेवकों को नामांकित किया है। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत नामांकित प्रतिभागी 10 जनवरी 2026 तक झारखंड राज्य में पांच दिवसीय एक्सपोजर विजिट गतिविधियों में शामिल होंगे। नामांकित प्रतिभागियों में समस्त जनपद पंचायतों के जनप्रतिनिधि एवं लोक सेवक शामिल किए गए है।

ट्रक ने बस को मारी टक्कर, वाहन क्षतिग्रस्त

कटनी। तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही यात्री बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार कई यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। हादसा पन्ना–कटनी मार्ग पर मंगलवार दोपहर को हुआ। जानकारी के अनुसार बस क्रमांक MP 21 P 0283 कटनी से पन्ना की ओर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक MP 21 G 2220 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। सूचना पर पुलिस कर्मी मौके पर पहुँचे। पुलिस टीम ने बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायलों को मौके पर ही प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात बाधित हो गया था, जिसे पुलिस की तत्परता से जल्द ही सुचारू रूप से बहाल कर दिया गया।

संचार संकर्म समिति की बैठक संपन्न

कटनी। संचार संकर्म समिति की बैठक का आयोजन 7 जनवरी 2026 को दोपहर 1 बजे से जिला पंचायत के सभागार में हुयी। बैठक में लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल विकास निगम, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा 2 वर्ष में कराये गये निर्माण कार्यों की समीक्षा की। संचार संकर्म समिति के सचिव ने बैठक मे सभापति अजय कुमार गौटिया सहित सदस्य संचार संकर्म समिति जिला कटनी सर्व श्रीमती शीला सिंह, सुश्री माला मौसी, श्रीमती कविता पंकज राय के साथ-साथ सभी संबंधित अधिकारियों इस दौरान मौजूद रहे।

परेशानियां सभी के जीवन में आती हैं राजा हो या आम व्यक्तिः राजेंद्र शास्त्री जी महाराज

ब्यौहारी।

नगर परिषद के अंतर्गत लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में लक्ष्मी नारायण सत्संग समिति द्वारा देवी भागवत पुराण कराया जा रहा है कथा की तीसरे दिन शास्त्री जी ने काशी के राजा की कथा सुनाई। इसके अलावा उन्होंने राजा वीरसेन सेन की कथा सुनाते हुए कहा कि राजा वीर सेन सिंह का शिकार करने गए और शेर का खुद शिकार हो गए इस तरह से कठिनाइयां सभी के जीवन में आती है चाहे राजा हो या आम व्यक्ति उन्होंने बताया कि काशी के राजा सबाहू के द्वारा जब मां भगवती की वंदना की गई और कहा कि आप काशी में हमेशा के लिए विराजमान हो जाए तब मां भगवती ने मां अन्नपूर्णा के रूप में आज भी काशी में विराजित है और उन्होंने वरदान दिया है कि काशी का कभी छय नहीं होगा 6 ऋतुओं के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि जब एक ऋतु से दूसरे ऋतु में प्रवेश होता है तो बीमारी और व्याधियों आती है शारदेय नवरात्रि के समय भक्तगण इसीलिए मां की आराधना करते हैं कि उनके जीवन में परेशानी और बीमारियां दूर हो मां काली की सुंदर झांकी से श्रद्धालु भाव विभोर हो गए मां दुर्गा की एक से कथा के दौरान एक से बढ़कर एक भजन भी गए गए कथा का श्रवण कर श्रोता भावविभोर हो गए कथा के चौथे दिन भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव की कथा सुनाई जाएगी कथा का समापन 12 जनवरी को एवं भंडारा 13 जनवरी को होगा।

घर से दूर झाड़ी में मिला प्रौढ का क्षत विक्षत शव, क्षेत्र में फैली सनसनी

ब्यौहारी

थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खारी में रामनारायण सिंह पिता बृजलाल सिंह 45 वर्ष ग्राम खारी वार्ड नंबर 17 स्कूल टोला का रहने वाला था घर से 15 दिन पहले गायब हो गया था जिसके गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई गई थी 06/1/26 को घर से थोड़ी ही दूर झाड़ी में उसका कंकाल मिला है ग्रामीणों के अनुसार शव पूरी तरह से छत बिछत हो गया है उसके सब के पास एक जहर की डिब्बी भी मिली है परिजनों का कहना है कि उसकी हत्या की गई है कुत्ता बुलाया जाए मौके पर थाना प्रभारी रिषभ छारी पुलिस बल के साथ मौजूद हैं फोरेंसिक टीम से जांच कराई जा रही है लेकिन परिजन स्नीफर डॉग्स बुलाए जाने पर अड़े हुए हैं गांव में नेटवर्क कम होने के कारण थाना प्रभारी से संपर्क नहीं हो सका।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दें, लागत कम एवं बढ़ती है उर्वरक क्षमता

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक के मार्गदर्शन मे नवांकुर संस्था युवा सवेरा समिति के सयुक्त तत्वावधान में ग्राम स्तर पर किसानों को आत्मनिर्भर एवं रसायनमुक्त कृषि की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद उपाध्यक्ष प्रकाश चंद्र साहू, जनपद सद्स्य संतोष माझी, कृषि विभाग से प्रभारी एसएडीओ सुमा मरकाम , आत्मा परियोजना से एडीएओ रजनी चौहान, बीसी अतुल सिंह, जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक जगन सिंह मसराम उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय विशेषज्ञ ताराचंद्र बेल संस्थापक प्राकृतिक खेती शोध संस्थान बालाघाट, के द्वारा किसानों को रसायनमुक्त खेती, देशी बीजों का उपयोग, जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत निर्माण, प्राकृतिक कीट नियंत्रण, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं कम लागत में अधिक उत्पादन की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती के सफल उदाहरणों से भी अवगत कराया गया। प्रशिक्षण शिविर में जैविक प्रचारक हीरामणि हल्दकार ने कहा कि प्राकृतिक खेती न केवल किसानों की लागत कम करती है, बल्कि भूमि की उर्वरता बढ़ाकर मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह पद्धति किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अजय पप्पू मिश्रा जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधी के द्वारा अधिक से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती करने और धरती पुत्र अन्नदाता बनने के लिए आवाहन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मेवालाल अग्रवाल ने किसानों के लिए आर्थिक उन्नति का संसाधन मानते हुए अधिक से अधिक संख्या में प्राकृतिक कृषक बनने की अपील की गई।आत्मा परियोजना से रजनी चौहान एवं सुमा मरकाम के द्वारा विभाग की प्राकृतिक कृषि के लिए संचालित योजना की जानकारी किसानों को दी गई।

परिषद के जिला समन्वयक डॉ तेज सिंह केश वाल के द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए स्वर्णिम युग मानते हुए बीमारी मुक्त जीवन जीने एवं शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए आवश्यक भोजन प्राप्ति के लिए हमें हर हाल में प्राकृतिक खेती करना होगा का आवाहन करते हुए अधिक से अधिक संख्या में किसानों को प्राकृतिक खेती करने के लिए अपील की गई।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्राम के किसान, स्वयंसेवक एवं नवांकुर संस्था, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी, सीएमसीएलडीपी छात्र बजरंग दल के पधाधिकारी गण, उपस्थित रहे।

10 दिवसीय बाकल चंडी मेले का हुआ समापन

कटनी। सबसे बड़े मेलो में शुमार बाकल चंडी मेला का उत्साह व उल्लास के साथ मंगलवार को समापन हो गया। जैसे जैसे मेला समाप्ति की ओर बढ़ा भारी भीड़ मेले में उमड़ी। ग्राम पंचायत बाकल द्वारा लगाये जाने बाले चंडी मेले मे विभिन्न प्रांतो से व्यापारी आकर यहां अच्छा खासा व्यवसाय करते हैं वहीं वर्ष भर से उम्मीद लगा कर बैठे बच्चों एवं महिलाओं में मनोरंजन के साधनों सहित विभिन्न घरेलू सामग्री एवं शादी विवाह से संबंधित बड़े आइटमों की खरीदी मुख्य तौर पर इस मेले में की जाती है! बाकल मेले मे विगत वर्षों की भांति इस वर्ष मनोरंजन एवं व्यवसाय की दृष्टि से मेले का सफल आयोजन ग्राम पंचायत बाकल के निर्देशन मे संपन्न किया गया।मेले में क्षेत्रीय स्थानीय जनों ने हवाई झूले ड्रेगन झूला ब्रेक डांस मिक्की माउस मैजिक ट्रेन जंपिंग जपाक जादूगर आदि के साथ चटपटी चाट का स्वाद लिया। वहीं पारिवारिक कार्यक्रमों को लेकर परिजनो ने आकर्षक सोफे लकडी से बनी कुर्सियाँ बेचे, तखत सहित आलमारियो आदि की मेले मे जमकर खरीददारी की गई। सराफा व्यवसाय मे रही मंदी-विगत वर्षो की भांति आसमान छू रही सोने चांदी की कीमतो को लेकर स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि इस बर्ष सोना चांदी का विक्रय बहुत मंदा रहा। ग्राम पंचायत सरपंच मनोज पटेल ने मेला के सफल आयोजन के लिए मेले मे आए सभी व्यापारियों पुलिस विभाग राजस्व विभाग विद्युत विभाग सहित सभी सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बालक की जल्द तलाश करने एसआईटी गठन की मांग, आंदोलन की चेतावनी

लापता बालक की तलाश करने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बरही क्षेत्र से लापता हुए 10 वर्षीय बालक दिव्यराज सिंह चंदेल की तलाश को लेकर राजपूत करणी सेना ने 6 जनवरी को राजपूत करणी सेना के जिला व संभागीय पदाधिकारी बड़ी संख्या में एसपी कार्यालय पहुंचे और मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (SIT) के गठन सहित अन्य मांगों को लेकर एडिशनल एसपी संतोष डेहरिया को ज्ञापन सौंपा।

करणी सेना के पदाधिकारियों ने एडिशनल एसपी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि बालक के लापता होने से क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। संगठन ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष और तेज जांच के लिए SIT का गठन किया जाए, ताकि बालक को जल्द से जल्द सुरक्षित खोजा जा सके। इस दौरान एएसपी संतोष डेहरिया ने करणी सेना को आश्वस्त किया कि पुलिस पूरी तरह सक्रिय है और बालक की तलाश के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दिव्यराज सिंह चंदेल को शीघ्र ही खोज लिया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष सूर्यपाल सिंह सोनू सोलंकी, उपाध्यक्ष मंगल सिंह, संभाग मीडिया प्रभारी सुरजीत सिंह मंजू सोलंकी, संभागीय प्रवक्ता शैलेंद्र सिंह बघेल, राजेंद्र सिंह बघेल, बबलू सिंह, सुरजीत सिंह परिहार, शुभम सिंह गौतम, शरद सिंह परिहार सहित बड़ी संख्या में करणी सैनिक उपस्थित रहे। करणी सेना ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द ही बालक का पता नहीं चलता, तो संगठन आगे और उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

एनकेजे पुलिस ने की कार्यवाही, जुगिया कॉप में हुआ था विवाद

घर में घुसकर मारपीट, पुलिस ने सात आरोपितों को किया गिरफ्तार, 2 फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मारपीट के मामले में एनकेजे पुलिस द्वारा कार्यवाही की गई है। प्रार्थी अहमद खान पिता अनार खान निवासी जुगियाकाप ने परिजनो के साथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी भांजी की शादी को लेकर गाँव मे पंचायत लगी थी। गाव के अन्य लोग उपस्थित थे, पुरानी बात को लेकर शकील, गुलाम, नफीस, सादिक, जुदा, तरवेज, भूला, अरबाज, अख्तर विवाद करने लगे। विवाद के कारण वह पंचायत से अपने घर चला गया। पंचायत मे हुए विवाद को लेकर उक्त सभी ने घर के अन्दर घुस कर उसके साथ मारपीट की। मारपीट में पीड़ित को चोट आने के कारण आरोपियों के खिलाफ धारा 296बी, 115(2), 351(3), 333, 190, 191(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीम गठित कर 7 आरोपीयो को ग्राम जुगिया काप से घेराबंदी कर पकड़ा गया। मामले के दो आरोपी अरबाज खान, अख्तर खान घटना के बाद से फरार है जिनकी तलाश जारी है। मामले के गिरफ्तार शुदा आरोपीगड को न्यायालय के समक्ष पेश कर जिला जेल कटनी में निरूद्ध किया गया। मामले मे विवाद को उकसाने वाले, क्षेत्र मे अशांति फैलाने वाले अराजक तत्वो के विरुध्द भी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कर एसडीएम कार्यालय पेश किया गया।

पुलिस ने सादिक खान पिता जल्लुद खान उम्र 30 साल, तरबेज खान पिता गुलाम खान 22 साल, गुलाम खान पिता सत्तार खान उम्र 55 साल, शकील खान पिता जल्लुद खान उम्र 39 साल, नफीस खान पिता जल्लुद खान उम्र 32 साल, जल्लुद खान पिता सत्तार खान उम्र 60 साल, भूल खान पिता हवीब खान उम्र 52 साल सभी निवासी जुगिया काँप थाना एनकेजे कटनी को गिरफ्तार किया गया।

जबकि प्रतिबंधात्मक कार्यवाही साहिल खान पिता शेरू खान, रहवर खान पिता उनार खान, सरताज खान पिता शेरू खान, मनीष खान पिता गुलाम खान जुगिया काँप थाना एन.के.जे के खिलाफ की गई।

कार्रवाई में थाना प्रभारी उप.निरी. रुपेन्द्र राजपूत, उनि नरेश झारिया, प्र.आर. आशीष शुक्ला, प्र.आर. राजेश परिहार, प्र. आर. गणेशदत्त, प्र.आर. राजेन्द्र सोनी, आर विनोद मार्को की भूमिका रही।

कॉलेज चलो अभियान के तहत स्कूलों में पहुंचा प्राध्यापकों का दल

विद्यार्थियों को महाविद्यालयीन प्रवेश प्रक्रिया एवं व योजनाओ की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

शासकीय महाविद्यालयों मै शिक्षण सत्र 2026-27 मे विद्यार्थी अधिक से अधिक प्रवेश लें इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय बहोरीबंद के द्वारा कॉलेज चलो अभियान 2026 चलाया जा रहा है।अभियान के तहत महाविद्यालय की ओर से सह प्राध्यापक डॉ ज्योति ताम्रकार, दिव्या तिवारी, नवीन गौतम, राजेश उइके, विनय जैन, मंजू द्विवेदी, डॉ प्रीति तिवारी के साथ दल बहोरीबंद के शासकीय हायरसेकेण्डरी स्कूलों मै पहुँचा।जहां सह प्राध्यापक दल ने विद्यालय के विद्यार्थियो को प्रवेश प्रक्रिया के साथ प्रवेश के दौरान होने वाली विभिन्न परेशानियों एवं उस समय किन सावधानियों को ध्यान में रखना चाहिए के संबंध में विस्तार से जानकारियां दी।

महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रम, सुविधाओं, शासन द्वारा संचालित गांव की बेटी, मुख्य मंत्री मेधावी जैसी प्रोत्साहन एवं विभिन्न छात्रवृति योजनाओं जैसे संबल, आवास, एससी/एसटी,ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियो के लिए पोस्ट मैट्रिक के साथ संचालित अन्य योजनाओं से भी विद्यार्थियो को अवगत कराया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियों से विद्यार्थियो को अवगत कराते हुए उनकी विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। महाविद्यालय में उपलब्ध स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की जानकारी, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की अध्ययन की सुविधा, व्यक्तित्व विकास योजनाएं, एनसीसी, एनएसएस कौशल विकास की जानकारी, प्लेसमेंट की जानकारी, रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण की जानकारी, कैरियर अवसर मेला, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकरी एवं प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी स्कूलों में शिक्षकों द्वारा दी गईं। वही स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना, क्रीड़ा के साथ विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों के संबंध में भी विद्यार्थियो को अवगत कराया।कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, उपलब्ध पाठ्यक्रम, कैरियर अवसरों एवं प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जागरूक किया गया ।

इस दौरान महाविद्यालय की शैक्षणिक, प्रयोगशाला, खेल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जाएगी। कैरियर कॉउंसलिंग के माध्यम से विद्यार्थियों को विषय चयन, उच्च अध्ययन, रोजगार एवं कौशल आधारित शिक्षा के बारे में मार्गदर्शन दिया जाएगा।नई शिक्षा, नई दिशा के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रमुख प्रावधान बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम चयन, विषय चयन के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जाएगी। आर्थिक सहायता, शैक्षिक सफलता अंतर्गत केंद्र, राज्य सरकार एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से अवगत कराया गया।

शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय बेडरा से गायब मिले दो शिक्षक

ब्यौहारी।

जन शिक्षा केंद्र व्यवहारी के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक शाला बेडरा से दो शिक्षक विद्यालय समय पर गायब मिले हमारे संवाददाता 10:40 में विद्यालय पहुंचे तो शिक्षिका माया नामदेव ने बताया कि विद्यालय का समय 11:00 बजे से हो गया है आते ही होंगे लेकिन जब 11:00 बजे तक संवाददाता ने देखा तो दो शिक्षक सत्य प्रकाश गुप्ता जो स्वयं प्रधानाध्यापक है एवं बसंत लाल प्रजापति स्कूल नहीं पहुंचे जब प्रधानाध्यापक की समय से नहीं पहुंच रहे हैं तो स्कूल की पढ़ाई कैसे सही ढंग से होगी स्थानिय ग्रामीण जनों ने कलेक्टर से लापरवाह शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

शिक्षकों के समय से नहीं आने की जानकारी मिली है जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्मानंद श्रीवास्तव बीईओ ब्यौहारी

अजा वर्ग के अभ्यर्थियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

महर्षि वाल्मीकि प्रोत्साहन योजना अन्तर्गत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये अनुसूचित जाति वर्ग के अभ्यर्थियों को प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने हेतु आवेदन आंमत्रित किये गये हैं। योजनांतर्गत मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति वर्ग के ऐसे युवा जिन्होंने जे.ई.ई. एडवान्स्ड परीक्षा उत्तीर्ण कर आई.आई.टी. में, एम्स प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एम्स में, नीट प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एम.बी.बी.एस. एवं बी.डी.एस. पाठ्यक्रमों में, क्लेट प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर एन.एल.आई.यू. में, एन.डी.ए. प्रवेष परीक्षा उत्तीर्ण कर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी तथा पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया है तथा जिनके माता-पिता/पालक/स्वयं की आय 6 लाख रूपये वार्षिक तक है, उन्हें प्रोत्साहन राशि 50 हजार रूपये के मान से प्रदान की जायेगी। इसी प्रकार 6 लाख से अधिक एवं 10 लाख रूपये से कम आय सीमा होने पर आई.आई.टी, एम्स, एन.एल.आई.यू. एन.डी.ए तथा नीट (मेडिकल कॉलेज) हेतु 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। वहीं जे.ई.ई. मेन्स प्रवेश परीक्षा के माध्यम से एन.आई.टी. में प्रवेश लेने पर प्रत्येक पात्र अभ्यर्थी जिनके माता-पिता/पालक/स्वयं की आय 6 लाख रूपये वार्षिक तक है, उन्हें प्रोत्साहन राशि 25 हजार रूपये के मान से प्रदाय की जायेगी।

खबर संक्षेप

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित हुआ सेवा निवृत्ति सम्मान समारोह

अनूपपुर। मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में दीर्घकालीन, निष्ठावान एवं सराहनीय सेवाएँ प्रदान करने के पश्चात सहायक उप निरीक्षक (कां.) हीरा लाल सिंह 31 दिसंबर को 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर शासकीय सेवा से सेवा निवृत्त हो गए। इस अवसर पर उनका सेवा निवृत्ति सम्मान समारोह पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित किया गया। हीरा लाल सिंह का जन्म 01 जनवरी 1964 को हुआ। उन्होंने 14 दिसंबर 1983 को जिला शहडोल (म.प्र.) में आरक्षक (जीडी) के पद पर भर्ती होकर पुलिस विभाग में अपनी सेवाएँ प्रारंभ कीं। सेवाकाल के दौरान उन्होंने 03 सितंबर 2011 को प्रधान आरक्षक तथा 28 जुलाई 2015 को सहायक उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त की। अपने 42 वर्ष 00 माह 17 दिन के दीर्घ सेवाकाल में उन्होंने जिला शहडोल, जिला पुलिस बल डिंडोरी एवं जिला पुलिस बल अनूपपुर में कर्तव्य निर्वहन किया। इस दौरान उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें कुल 176 ईनाम प्राप्त हुए, जिनमें 48 नगद तथा 128 प्रशस्ति पत्र शामिल हैं। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, निज सचिवएन.एस. ठाकुर, रक्षित निरीक्षक श्रीमती ज्योति दुबे, मुख्य लिपिक राम सिंह सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा हीरा लाल सिंह के सेवाकाल की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य एवं स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएँ दी गईं।

आधुनिक कृषि तकनीक से बदली किसान पुष्पेंद्र सिंह भदौरिया की तकदीर

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के वेंकटनगर ग्राम के प्रगतिशील कृषक पुष्पेंद्र सिंह भदौरिया ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि परिश्रम को आधुनिक तकनीक एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का साथ मिल जाए तो खेती केवल आजीविका नहीं, बल्कि समृद्धि का माध्यम बन सकती है। उद्यानिकी विभाग के सतत मार्गदर्शन एवं प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत प्राप्त ड्रिप इरिगेशन प्रणाली से उन्होंने 13 एकड़ क्षेत्र में टमाटर की वैज्ञानिक पद्धति से खेती प्रारंभ की। ड्रिप सिंचाई द्वारा कम जल में अधिक उत्पादन संभव हुआ, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उनकी उपज आज अनूपपुर, वेंकटनगर, पेंड्रा, चिरमिरी, जबलपुर सहित पश्चिम बंगाल, इलाहाबाद एवं झारखंड जैसे दूरस्थ क्षेत्रों तक व्यापारियों के माध्यम से पहुँच रही है। अप्रैल माह से निरंतर फसल उत्पादन होने से अब तक उन्हें लगभग 20 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हो चुकी है तथा आने वाले महीनों में और अधिक लाभ की संभावना है। कृषक पुष्पेंद्र सिंह भदौरिया ने इस उपलब्धि पर शासन की जनहितकारी योजनाओं, उद्यानिकी विभाग, कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि इस प्रकार का सहयोग मिलता रहा तो किसान न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाएँगे।

मप्र छग के छात्र नेताओं के नेतृत्व में छात्रों ने किया यूनिवर्सिटी का घेराव

आईजीएनटीयू में सुरक्षा पर सवाल लचर कानून व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के विरोध में एनएसयूआई का घेराव

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू) अमरकंटक में एक युवती के साथ कथित दुर्व्यवहार एवं छेड़छाड़ जैसी गंभीर घटना को लेकर छात्र संगठनों में भारी आक्रोश देखने को मिला। घटना के बाद पुलिस द्वारा केवल एफआईआर दर्ज किए जाने और अब तक आरोपी की गिरफ्तारी न होने से छात्र-छात्राओं एवं संगठनों में असंतोष गहराता जा रहा है। छात्र संगठनों का आरोप है कि विश्वविद्यालय परिसर में इस तरह की घटनाएं कोई नई नहीं हैं। आए दिन छात्र-छात्राओं से जुड़े गंभीर मामले सामने आते हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। कई मामलों को दबाव में समाप्त कर दिए जाने का भी आरोप लगाया गया है। इसी लचर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के विरोध में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे और छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पांडे के नेतृत्व में छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर घेराव कर जोरदार आंदोलन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की।

आंदोलन के दौरान छात्र संगठनों ने जिला मजिस्ट्रेट के प्रस्ताव का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय परिसर में स्थायी पुलिस चौकी (पुलिस स्टेशन) के निर्माण की मांग की, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने की आवश्यकता बताई गई। छात्र नेताओं ने सवाल उठाया कि यदि विश्वविद्यालय 450 वॉचमैन होने के बावजूद स्वयं को सुरक्षित मानता है, तो छात्राओं को हॉस्टलों में प्रतिबंधित क्यों किया जाता है। उन्होंने मांग की कि छात्राओं को अन्य विश्वविद्यालयों की तरह परिसर के बाहर तक आने-जाने की स्वतंत्रता दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने यह भी कहा कि जब शिक्षकों के लिए चुनाव संभव हैं, तो छात्र संघ चुनाव भी कराए जाने चाहिए। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में फ्री इलेक्ट्रिक ऑटो संचालन तत्काल शुरू करने, प्रत्येक हॉस्टल में वाई-फाई सुविधा अनिवार्य करने (जिसका शुल्क छात्रों से लिया जा रहा है), तथा पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की गई।

इसके अलावा आंदोलनकारियों ने विश्वविद्यालय की लाइब्रेरी एवं शौचालयों की स्थिति में सुधार, विश्वविद्यालय अस्पताल में 24 घंटे डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा खेल मैदानों के तत्काल सुधार की मांग उठाई, ताकि छात्र-छात्राओं को खेल गतिविधियों में किसी प्रकार की परेशानी न हो। छात्र संगठनों ने विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं की एक संयुक्त समिति गठित करने की भी मांग की, जिसकी हर महीने प्रशासन के साथ बैठक हो, ताकि छात्रों से जुड़े मुद्दों पर समय रहते समाधान किया जा सके। इस दौरान एनएसयूआई एवं कांग्रेस पार्टी के संयुक्त दल द्वारा पुष्पराजगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वसीम अहमद भट्ट एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो हरिनारायण मूर्ति को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान एसडीएम पुष्पराजगढ़ द्वारा आश्वासन दिया गया 15 दिवस के अंदर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती और उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उक्त आंदोलन में विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को, नगर परिषद अमरकंटक अध्यक्ष पार्वती सिंह, मंडलम अध्यक्ष श्यामलाल सेन, पार्षद विमला दुबे, ऊषा वाई, विधान सभा कांग्रेस अध्यक्ष वीरू तंबोली, विनायक द्विवेदी सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

क्या पश्चिम मध्य रेलवे की सीख लेगा एसईसीआर

अनूपपुर जंक्शन में रेल पटरी पर कब लगेगी ग्रिल...?

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। लगभग तीन से चार वर्षों से अनूपपुर जंक्शन स्टेशन के प्लेटफार्म 1 से 3 की ओर जाने वाले पैदल पुल को तोड़ दिया गया और वैकल्पिक पुल जोकि कटनी दिशा में बना है काफी लंबा एवं प्लेटफार्म से काफी दूरी पर निर्मित किया गया है। जिससे प्लेटफार्म नंबर तीन पर जाकर ट्रेन पकड़ने एवं एसी कोच में जाने के लिए यात्रियों को काफी लंबा घूम कर जाना पड़ता है।

हालांकि यहां फुट ओवर ब्रिज बना हुआ है। लेकिन इसकी दूरी और घुमावदार होने से यात्री इसका उपयोग नहीं के बराबर करते है। बुजुर्ग यात्रियों, महिलाओं, दिव्यांगजन सभी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन रेलवे द्वारा पैदल पुल को तोड़ दिया गया और जो निर्मित हो रहा है उसका कार्य भी धीमी गति से चल रहा है। लगभग 4 वर्षों से यात्री परेशान हो रहे हैं। देखा जाता है कि जल्दबाजी के चक्कर में यात्री रेल पटरी क्रॉस कर प्लेटफॉर्म 1 से प्लेटफार्म 3 पर जा रहे हैं। कई बार चले जाते हैं और कई बार रेलवे सुरक्षा बल के निशाने पर आ जाते हैं, जिससे उन्हें जुर्माना देना पड़ता है। यही नहीं रेलवे के हमाल प्रतिदिन भारी भरकम सामानों को रेलवे लाइन क्रॉस कर ले जाते हैं। कभी भी कोई अनहोनी घटना घटित हो सकती है। लेकिन इसकी चिंता किसी को नहीं है। पश्चिम मध्य रेलवे के मदन महल स्टेशन पर हाल ही में दो व्यक्तियों की मौत के बाद वहां का रेल प्रशासन जागा एवं रेल की पटरियों के पास प्लेटफार्म जितनी लंबी ग्रिल लगाकर रास्ता क्रॉस करने का बंद कर दिया। निश्चित ही यात्रियों की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए बहुत ही अच्छा कदम है। जिससे यात्री रेल की पटरियां क्रॉस नहीं कर पाएंगे। आवश्यकता है पश्चिम मध्य रेलवे की सीख बिलासपुर जोन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी ले एवं प्लेटफॉर्म की लंबाई तक ऊंची ग्रिल लगा दे। जिससे कोई भी यात्री रेल पटरियां क्रॉस कर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर नहीं जा पाएगा। यात्री की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए रेलवे प्रशासन को यह निर्णय लेना चाहिए एवं सभी जगह पर रेल पटरियां क्रॉस करने पर रोक लगाने के लिए प्लेटफॉर्म जितनी लंबी ग्रिल रेल पटरियों के बगल से लगा देना चाहिए। जिससे किसी तरह की अनहोनी घटना घटित नहीं हो पाएगी।

ऊर्जा के क्षेत्र मे पावर हब बनने ग्रामीणों ने दिया पूर्ण समर्थन

ग्रामीणों के समर्थन से न्यू जोन इंडिया-टोरेंट पावर की पर्यावरणीय जनसुनवाई संपन्न जिले को नई दिशा प्रदान करेगा ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार सृजन और सतत औद्योगिक विकास

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के अनूपपुर तहसील अंतर्गत ग्राम रक्सा-कोलमी क्षेत्र में प्रस्तावित न्यू जोन इंडिया-टोरेंट पावर लिमिटेड द्वारा स्थापित किए जा रहे थर्मल पावर प्लांट को लेकर पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रिया के अंतर्गत बुधवार को रक्सा ग्राम में पर्यावरण जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

यह जनसुनवाई शांतिपूर्ण वातावरण में निर्विरोध रूप से सम्पन्न हुई। जनसुनवाई में प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में ग्रामीणों को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। इस दौरान पर्यावरण अधिकारी अशोक तिवारी तथा अपर कलेक्टर दिलीप पांडेय भी मौजूद रहे। इस दौरान रक्सा, कोलमी सहित आसपास के गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने परियोजना से जुड़े पर्यावरणीय पहलुओं, वायु प्रदूषण, जल संरक्षण, फ्लाई ऐश प्रबंधन एवं वृक्षारोपण जैसे मुद्दों पर अपने सुझाव एवं आशंकाएं व्यक्त कीं।

ग्रामीणों की आशंकाओं का किया समाधान

कंपनी के अधिकृत सलाहकारों एवं प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों द्वारा उठाए गए प्रत्येक प्रश्न का क्रमवार एवं तथ्यात्मक जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि परियोजना में पर्यावरण संरक्षण के सभी मानकों का पालन किया जाएगा तथा प्रदूषण नियंत्रण के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। जनसुनवाई के दौरान कंपनी की ओर से फ्लाई ऐश के वैज्ञानिक, सुरक्षित एवं नियमानुसार प्रबंधन की प्रतिबद्धता जताई गई। साथ ही परियोजना क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में एक लाख से अधिक पौधारोपण किए जाने पर भी सहमति व्यक्त की गई, जिससे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहयोग मिलेगा। प्रशासनिक अधिकारियों ने जनसुनवाई की प्रक्रिया को पारदर्शी, लोकतांत्रिक एवं पर्यावरणीय नियमों के अनुरूप बताते हुए इसे सफल बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सहभागिता और सुझावों को अभिलेख में दर्ज किया गया है, जिन्हें आगे की प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। प्रभावित ग्राम रक्सा-कोलमी के सभी जनप्रतिनिधि सरपंच, उपसरपंच एवं किसान जनों ने एक स्वर में संपूर्ण समर्थन दिया और कंपनी से रोजगार व सभी मूलभूत सुविधाओं के प्रदान हेतु अपेक्षा जाहिर की। कुल मिलाकर यह जनसुनवाई शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई, जिसमें ग्रामीणों, प्रशासन और कंपनी के बीच सार्थक संवाद स्थापित हुआ।

नई दिशा प्रदान करेगा सतत औद्योगिक विकास: कंपनी ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, कौशल विकास, पेयजल आपूर्ति, सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु दीर्घकालिक योजनाएं लागू करने की प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी प्रबंधन ने कहा कि स्थानीय समुदाय के साथ सहभागिता और विश्वास के आधार पर ही परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में कंपनी प्रतिनिधि ने उपस्थित ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं मीडिया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनसुनवाई संवाद, पारदर्शिता और आपसी विश्वास का सशक्त उदाहरण है। दिशा प्रदान करेगा।

जीवन में स्वस्थ रहना एवं शिक्षित होना आवश्यक- डॉ, सोनी

सोनटोला में धनुहार बैगा परिवार को किया गया गर्म कम्बल वितरण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर सोननदी के तट पर बसे ग्राम पंचायत बरबसपुर के धनुहार बैगा बाहुल्य सोनटोला में मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोशिएशन द्वारा धनुहार बैगा जनजाति समुदाय के ग्रामीणों को अत्याधिक ठंड पर गर्म कंबल वितरण का आयोजन किया गया इस दौरान संगठन के संरक्षक डॉ, आर,पी, सोनी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें स्वस्थ रहने के लिए साफ-सफाई से रहना एवं आने वाली पीढ़ी के उत्थान हेतु सजग रहना आवश्यक है स्वस्थ एवं शिक्षित होने से हमारा एवं हमारी पीढ़ी का भविष्य उज्जवल होगा। इस अवसर पर संघ के जिला अध्यक्ष डी,एस, राव ने कहा कि अंतिम छोर पर बसे जनजाति समुदाय के ग्रामीणों को तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य है जिससे हमारा संघ ग्रामीणों के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं से अवगत होकर शासन एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराते हुए समय पर समस्याओं का निराकरण करा सके। कार्यक्रम दौरान अत्यधिक ठंड से बचने के लिए ग्रामीण जनों को गर्म कंबल वितरित किए गए तथा बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए डॉक्टर सोनी ने समय रहते उपचार एवं परीक्षण करने की सलाह दी। ग्राम पंचायत बरबबपुर सरपंच बिसाहूलाल रौतेल ने कहा कि धनुहार बैगा जनजाति के ग्रामीणों को शासन के उद्देश्य अनुसार हर संभव मदद की जाती है कुछ लोग जो वंचित हैं ऐसे ग्रामीणों की समस्या का निराकरण किया जाएगा। जिला मुख्यालय अनूपपुर के सामाजिक कार्यकर्ता शशिधर अग्रवाल ने कहा कि सोनटोला में बसे धनुहार बैगा जनजाति के ग्रामीणो की कई वर्षों से उनकी समस्याओं का निराकरण किए जाने का प्रयास किए जाने पर आवास पक्का मार्ग सुविधाएं मिलने से आज वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सके हैं। इस दौरान संघ के पदाधिकारी हरी सिंह परस्ते, बैजनाथ त्रिपाठी, एच एल सैनी, आर के पटेल, राजेश सिंह, अरुण पटेल, विद्यालय के शिक्षक बिसम्भर पटेल, उप सरपंच सुजीत कुमार नापित, पंच बहादुर भैना, क्षेत्र के एएनएम, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका कार्यक्रम में सम्मिलित रहे हैं।

मीरा खदान बंद करने की साजिश का पर्दाफाश

संयुक्त यूनियन व सुरक्षा समिति के निरीक्षण में खुलासा, कई वर्षों तक संभव है कोयला उत्पादन

निजीकरण से नव भर्ती युवाओं व कर्मचारियों का भविष्य खतरे में, एकजुट संघर्ष का आह्वान

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। जमुना कोतमा क्षेत्र की मीरा भूमिगत खदान को प्रबंधन द्वारा बंद किए जाने की कथित साजिश को लेकर बड़ा खुलासा सामने आया है। विगत कुछ दिनों से खदान प्रबंधन द्वारा मीरा खदान को बंद करने की कोशिशों के बीच 07 जनवरी 2026 को संयुक्त यूनियन के आह्वान पर क्षेत्रीय सुरक्षा समिति के सदस्यों ने खदान का विस्तृत निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में सभी संगठनों के प्रतिनिधि, खान प्रबंधन, कॉलरी सर्वेयर, क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारी शामिल रहे। निरीक्षण के प्रथम चरण में खान प्रबंधक कार्यालय में मीरा खदान के तीनों सीम (सीम प्लान) का गहन अवलोकन किया गया। इसके बाद समिति द्वारा खदान के भूमिगत हिस्से का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण उपरांत यह निष्कर्ष सामने आया कि खदान में आवश्यक संयंत्र, पर्याप्त मैनपावर तथा बेल्ट प्रणाली मौजूद है और आने वाले कई वर्षों तक लाखों टन कोयले का सुरक्षित उत्पादन किया जा सकता है। इसके बावजूद प्रबंधन खदान को निजी ठेकेदार को सौंपने पर आमादा है। संयुक्त यूनियन का आरोप है कि इस निजीकरण से क्षेत्र के नव-भर्ती युवक, स्थानीय युवा एवं मीरा खदान के वर्तमान कर्मचारियों का भविष्य गंभीर संकट में पड़ जाएगा। निरीक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि खदानों को इसी तरह निजी हाथों में सौंपा गया, तो आने वाले समय में मजदूरों को जमुना कोतमा क्षेत्र से अन्य क्षेत्रों में पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस मौके पर कोयला मजदूर सभा के जमुना कोतमा क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि वे स्वयं सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उन्हें क्षेत्र में नई भर्ती होने वाले युवाओं और मजदूरों के भविष्य की गहरी चिंता है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से अपील की कि वे संगठित होकर मीरा खदान के निरंतर संचालन के लिए प्रबंधन के खिलाफ एकजुट संघर्ष करें तथा संयुक्त मोर्चा और संयुक्त श्रम संगठनों को मजबूत सहयोग दें। उन्होंने यह भी आह्वान किया कि मीरा खदान के साथ-साथ जमुना यूजीआरओ को पुनः संचालित कराने के लिए सभी मजदूर एकजुट हों, ताकि मजदूर हितों, क्षेत्र और कंपनी के दीर्घकालीन हितों की रक्षा की जा सके।

पाले से फसलों को बचाने के लिए किसानों को सामयिक सलाह

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। शीत लहर व अत्यधिक ठंड के दौरान रबी फसलों को पाले से बचाने के लिये कृषि विभाग द्वारा किसानों को सामयिक सलाह दी गई है। थोड़े से प्रयास से कृषकगण पाले से फसलों की सुरक्षा कर सकते हैं। फसलों को पाले से बचाव के लिये रात्रि में खेत की मेड़ों पर लगभग 6 से 8 स्थानो पर कचरा तथा खरपतवार आदि जलाकर धुंआ करना चाहिए। यह प्रयोग इस प्रकार किया जाना चाहिए कि धुआं सारे खेत में छा जाए तथा खेत के आसपास का तापमान 5 डिग्री सेल्सियस तक आ जाए। इस प्रकार धुआं करने से फसल का पाले से बचाव किया जा सकता है। पाले की संभावना होने पर खेत की हल्की सिंचाई कर देना चाहिए। इससे मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है तथा नुकसान की मात्रा कम हो जाती है। सिंचाई बहुत ज्यादा न कर उतनी ही करनी चाहिए, जिससे खेत गीला हो जाए। रस्सी का उपयोग भी पाले से काफी सुरक्षा प्रदान करता है। इसके लिए दो व्यक्ति सुबह-सुबह (जितनी जल्दी हो सके) एक लंबी रस्सी को उसके दोनों सिरों से पकड़ कर खेत के एक कोने से लेकर दूसरे कोने तक फसल को हिलाते चलना है। इससे फसल पर रात का जमा पानी गिर जाता है तथा फसल की पाले से सुरक्षा हो जाती है। रबी फसल पर 8 से 10 कि.ग्रा. सल्फर डस्ट प्रति एकड का भुरकाव पाले से बचाव में लाभप्रद रहता है। इसके अलावा वेटेबल या घुलनशील सल्फर 200 ग्राम या ग्लूकोस पाउडर 500 ग्राम बनाकर अथवा प्रति थायो यूरिया 500 ग्राम या पोटेशियम सल्फेट (0:0:50) 200 ग्राम प्रति 200 लीटर पानी में घोल छिड़काव किया जा सकता है। साइकोसिल 400 ग्राम प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव भी कारगर रहता है। शीतलहर का अत्यधिक असर दलहनी-तिलहनी, मटर व आलू की फसलों पर पड़ता है। शीतलहर के कारण पौधे की पत्तियां व फूल झुलसते, बाद में झड़ जाते हैं। रात के समय तापमान 4-5 डिग्री या इससे कम होता है तब धरातल के आसपास व फसलों-पौधों की पत्तियों पर बर्फ की पतली परत जम जाती है। इसी परत को पाला कहते हैं। पौधों की पत्तियों पर पाले का प्रकोप रात 12 से सुबह 4 बजे के बीच अधिकांश होता है। पाले से प्रभावित फसल व पौधों की पत्तियों पर पानी की बूंद जमा हो जाती है, पत्तियों की कोशिका भित्ती फट जाती है, जिससे पत्तियां सूखकर झड़ने लगती है।